फेसबुक ने बना दी जोड़ी

“अंकिता- हाय… अक्षय- हैलो… अंकिता- कैसे हो ? अक्षय- मैं ठीक हूँ आप कैसे हो ? अंकिता- मैं भी ठीक हूँ… फेसबुक पर बातों की कुछ ऐसी ही बातों से शुरुआत होती थी, मेरी और अक्षय की.. हम एक-दूसरे से कभी मिले नहीं थे। बस फेसबुक पर ही हम दोनों की रोज बात होती थी। अगर मैं […] …”

Story By: (ankita.sharma)
Posted: Sunday, August 31st, 2014
Categories: कोई मिल गया
Online version: फेसबुक ने बना दी जोड़ी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फेसबुक ने बना दी जोड़ी

अंकिता- हाय…
अक्षय- हैलो…
अंकिता- कैसे हो ?
अक्षय- मैं ठीक हूँ आप कैसे हो ?
अंकिता- मैं भी ठीक हूँ…
फेसबुक पर बातों की कुछ ऐसी ही बातों से शुरुआत होती थी, मेरी और अक्षय की..

हम एक-दूसरे से कभी मिले नहीं थे। बस फेसबुक पर ही हम दोनों की रोज बात होती थी। अगर मैं एक दिन उससे बात न करती तो दिन नहीं पूरा होता था। हम एक-दूसरे को बहुत पसंद करते थे। मैं अपनी हर बात उसे बताती थी। यहाँ तक कि हम सेक्स चैट तक कर चुके थे। हम दोनों ने एक-दूसरे के एक-एक अंग को अपनी-अपनी कंप्यूटर स्क्रीन पर देखा था।

आपको बता दूँ कि अक्षय पेशे से एक सॉफ्टवेयर इंजिनियर था। वो जालंधर (पंजाब) में रहता था। मैं स्कूल में अध्यापिका के तौर पर लुधियाना में पढ़ाती हूँ। हम दोनों को एक-दूसरे के साथ बात करते हुए तक़रीबन एक साल से ज्यादा का समय हो चुका था।

एक दिन अक्षय का मुझे फ़ोन आया और उसने मुझे बताया कि मैं बहुत जल्द काम के सिलसिले में लुधियाना आ रहा हूँ।
मैं उसके लुधियाना आने की खबर सुन कर बहुत खुश हुई और उस दिन का इंतज़ार करने लगी।

कुछ दिन बाद मुझे उसने फ़ोन करके कहा- वो लुधियाना पहुँच चुका है। वो यहाँ अपने भाई के पास है।

उसने मुझसे दो दिन बाद मिलने का वादा किया।

आखिर वो दिन आ ही गया, जिस दिन का मुझे बड़ी बेताबी से इंतज़ार था। मैंने उसे एक रेस्तरां में आने को कहा।
वो समय पर वहाँ पहुँच गया, उसे देखकर मैं बहुत खुश हुई।

वो दिखने में बहुत सुन्दर लग रहा था। हम दोनों ने काफी पी और गप्पें मारने लगे। बातें करते-करते वो टेबल के नीचे अपनी टांगों से मेरी स्कर्ट ऊपर कर रहा था, मैं भी मुस्कुरा कर अपनी टाँगे पीछे कर लेती थी।

उसने मुझे कहा- आज तुम मुझे लुधियाना घुमाओ।
मैंने भी उसे 'हाँ' कर दी।
रेस्तरां से बाहर निकल कर मैंने उससे कहा- तुम कहाँ जाना पसंद करोगे ?
उसने कहा- क्यूँ ना लुधियाना घूमने की शुरूआत तुम्हारे घर से की जाए ?
मैं उसका इशारा समझ चुकी थी।
मैंने कहा- ठीक है।

क्यूंकि मेरे घर में मैं और मेरी सहेली ही रहती थी। मैंने झट से अपनी सहेली को फ़ोन किया कि वो वहाँ पर सारा इंतजाम कर दे और वहाँ से रफा-दफा हो जाए, क्यूंकि मैं अक्षय को किसी और के साथ बांटना नहीं चाहती थी।
फिर हम दोनों ने ऑटो किया और मेरे घर की तरफ रवाना हो गए।

रास्ते में मैं यह सोच-सोच कर खुश हो रही थी कि आज मेरी प्यासी चूत को मोटा ताज़ा लंड मिलेगा।
घर पहुँचने पर मैंने उसे सोफे पर बिठाया और खुद फ्रेश होने के लिए चली गई।

मैं बाथरूम में यह सोच रही थी कि आखिर किस तरह उसे अपने जाल में फंसाया जाए।
मैंने लाल रंग का गाउन पहना और बाहर आ गई। बाहर आकर मैंने उसके सामने पीठ दर्द का नाटक किया।
उसने हँसते हुए कहा- क्यूँ न मैं तुम्हारी पीठ दबा दूँ।
मैंने उसे 'हाँ' कह दिया।

मैं उसे अपने बेडरूम में लेकर आ गई और बेड पर पेट के सहारे लेट गई।
उसने मेरी पीठ पर जैसे ही हाथ रखा, मेरे तो तन-बदन में जैसे एक आग दौड़ गई, क्यूंकि मुझे किसी गैर मर्द ने पहली बार हाथ लगाया था। उसने मेरी बरसों की वासना को भड़का दिया।

फिर कुछ देर पीठ को दवबाने के बाद मैंने उससे कहा- मैं अपना गाउन उतार देती हूँ ताकि तुम्हें बदन दबाने में आसानी हो!
मैंने झट से अपना गाउन उतार दिया।
अब मैं सिर्फ ब्रा और पैंटी में ही थी और वो मुझे घूर-घूर कर देख रहा था।

मैंने भी उस का उभरा हुआ लंड देख लिया था। अब मुझे और भी मज़ा आने लगा।
मैंने उससे कहा- क्यूँ न तुम भी अपने कपड़े उतार दो..!

पहले तो वो शरमाया लेकिन मेरे थोड़ा कहने पर उसने अपने कपड़े उतार दिए, सिवाए अंडरवियर के। मैंने उसके अंडरवियर के अन्दर फूले हुए लण्ड को देखा, फिर मैंने उससे कहा- मेरी ब्रा भी खोल दो…!

उसने झट से ब्रा को खोल दिया और मैं पीठ के बल लेट गई। वो मेरे मम्मों को देखता रहा।
मैंने उससे कहा- ज़रा मेरे मम्मों भी दबा दो!
उसने बड़े ही मुलायम हाथों से मेरे मम्मों को दबाया। थोड़ी देर मेरे मम्मों दबाने के बाद

मैंने उस का लंड पकड़ लिया तो वो हैरान हो गया।

मैंने उससे कहा- इसमें हैरान होने की कोई बात नहीं है। तुमने भी तो मेरे मम्मों को दबाया है। अब मैं भी तुम्हारा लंड दबाऊँगी!
मैंने उसका अंडरवियर उतारा और उसका लंड अपने मुँह में ले लिया और उसे चूस-चूस कर उस का पानी निकाल दिया!
फिर मैंने उसे कहा- अब तुम्हारी बारी…

उस ने मेरी पैंटी उतारी और अपनी उंगली से मेरी चूत को चोदने लगा। मैं जोश के कारण 'आआह आऊऊ… ऊऊ अहह… हहाहा म्म्म्म..' कर रही थी।
फिर मैं भी झड़ गई और उसने मेरा सारा पानी पी लिया। फिर हम लोग एक-दूसरे से लिपट कर लेटे रहे।
फिर कुछ देर के बाद मैंने उसको एक स्प्रे दिया जो मेरा पति इस्तेमाल करता था।

वो स्प्रे लंड पर छिड़कने से लंड तकरीबन एक घंटे तक अपना पानी नहीं छोड़ता है। फिर मैंने वो स्प्रे उसके लंड पर छिड़का और उस का लंड खड़ा हो गया।
अब मैंने अपनी टांगें फैला लीं और उसे अपनी चूत का द्वार दिखाया। मैंने उसे इशारा किया कि वो अपना लंड मेरी चूत में डाल दे। उसने अपना लंड मेरी चूत के द्वार पर रखा और एक झटका मारा।
मेरे मुँह से एक चीख निकली, "आआआआ…!" मैंने 6 महीने से लंड नहीं खाया था न, इसी लिए। उसने एक और धक्का मारा जिससे कि उसका लंड मेरी चूत में समा गया। मैंने उस का लंड वैसे ही अपनी चूत में रहने दिया और फिर दो मिनट के बाद उसने मुझे चोदना शुरू किया।
'वाह…! क्या मज़ा आ रहा था…! मैं तो जैसे स्वर्ग में थी…!

मेरे मुँह से 'आआआ ऊऊऊ म्मम्म्ममअहहह' की आवाजें निकलने लगीं। जोश के कारण मैं

बोलने लगी- और चोदो.. और चोदो… और चोदो… !
उसने कहा- ले रांड..! और ले… खा मेरा लंड..!
फिर उस ने मुझे कुतिया बनाया और मुझे खूब चोदा।

फिर तकरीबन एक घंटे बाद वो झड़ने वाला था तो उसने मुझसे कहा- मैं झड़ने वाला हूँ!
उसके झड़ने से पहले ही मैं तीन बार झड़ चुकी थी, तो मैंने उसे कहा- मेरी चूत में ही झड़ जाओ!
वो मेरी चूत में ही झड़ गया।

मैंने उस रात उससे चार बार चुदवाई और आज भी मैं उससे चुदाती रहती हूँ।

आपको यह कहानी कैसी लगी, कृपया मुझे मेल करें।
ankita.sharma98030@gmail.com

Other stories you may be interested in

सात दिन की गर्लफ्रेंड की चुदाई

नमस्कार दोस्तो … मेरा नाम प्रकाश है. मैं 30 साल का हूँ. मैं मुंबई के पास कल्याण जिले में रहता हूँ. अभी फिलहाल एक प्राइवेट कंपनी में जॉब कर रहा हूँ. मैं आज तक बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स […]
Full Story >>>

पांच सहेलियाँ अन्तरंग हो गयी

दोस्तो, आज बहुत दिनों बाद आपसे कुछ यादें शेयर करना चाहता हूँ. मेरी पिछली कहानी थी शादीशुदा लड़की का कुंवारी सहेली से प्यार आज की मेरी कहानी देहरादून में बन रहे पॉवर प्रोजेक्ट के इंजीनियरों की है. ये पांच इंजीनियर […]
Full Story >>>

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-5

पिछले भाग में आपने पढ़ा कि लॉज का मैनेजर मेरी चूत को पेल रहा था और जीजा सामने कुर्सी पर बैठे हुए अपना लंड हिला रहे थे. लॉज के नौकर ने मेरे मुंह में लंड दे रखा था. जीजा को […]
Full Story >>>

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर […]
Full Story >>>

जिगोलो बन कर भाभी की जवानी की प्यास बुझाई

नमस्कार दोस्तो ! मेरा नाम मनोज है। मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ और रोज़ अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़ कर अपना पानी निकालता था। और जब भी पानी निकल जाता था तो सोचता था कि ऐसा कैसे हो सकता है कि […]
Full Story >>>